जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम - मदाऊ, पोस्ट - भांकरोटा, जयपुर, (राज॰) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स: 0141 - 5132021

क्रमांक : प.( ) जरारासंविवि / अनु.केन्द्र / 2024 / 8454-8466 दिनांक: 03/02/2024

परिपत्र

अनुसन्धान केन्द्र पर शोधार्थियों द्वारा प्रायः विगत अवधि में जमा कराये जाने वाले शोधप्रबन्ध की प्रतियों में यह संज्ञान में आ रहा है कि शोधप्रबन्ध की प्रतियों में भाषागत त्रुटियाँ व टंकणगत त्रुटियाँ पाई जा रही हैं। शोधपरीक्षकों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में भाषागत व टंकणगत त्रुटियों के शोधप्रबन्ध में सुधार उपरान्त शोधोपाधि प्रदत्त करने व प्रकाशन करने की संस्तुतियाँ उल्लेखित की जा रही हैं। इस कारण अनुसन्धान कार्यालय को इस प्रकार की त्रुटियों का परिमार्जन करवाये जाने की कार्यवाही पृथक से सम्पादित करनी होती है।

शोधप्रबन्ध परीक्षण की रिपोर्ट से यह प्रतीत होता है कि शोधनिर्देशको द्वारा शोधप्रबन्ध प्रस्तुत किये जाने से पूर्व गम्भीरता पूर्वक परीक्षण नहीं किया जा रहा है तथा विभागीय डॉक्ट्रल कमेटी द्वारा (मिनी वायवा) आयोजन के समय शोधप्रबन्ध का सूक्ष्म दृष्टि से पूर्ण परीक्षण नहीं किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप विश्वविद्यालय की अप्रतिष्ठा हो रही है व विश्वविद्यालय की छवि खराब हो रही है।

अतः इस परिपत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी शोधनिर्देशकों को निर्देशित किया जाता है कि आपके अधीन शोधरत शोधार्थियों के शोधप्रबन्ध जमा कराये जाने के समय शोधप्रबन्ध के साथ इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि "शोधार्थी द्वारा जमा कराये जा रहें शोधप्रबन्ध का मेरें द्वारा गंभीरता पूर्वक पूर्ण परीक्षण कर लिया गया है तथा शोधप्रबन्ध में किसी प्रकार की भाषागत व टंकणगत त्रुटियाँ नहीं है, अतः शोधार्थी का शोधप्रबन्ध जमा किये जाने की संस्तुति की जाती है।"

उक्त निर्देश माननीय कुलपति महोदय के अनुमोदन उपरान्त जारी किया गया है।

Sd/-
निदेशक
अनुसंधान केन्द्र

क्रमांक प. ( ) जरारासंविवि / अनु.के. / 24 / 8454-8466 दिनांक - 03/02/2024
प्रतिलिपि सूचनार्थः-

1- निजी सचिव, माननीय कुलपति महोदय, जरारासंविवि, जयपुर
2- निजी सहायक, कुलसचिव महोदय, जरारासंविवि, जयपुर
3- निदेशक, शैक्षणिक परिसर, जरारासंविवि, जयपुर को प्रति प्रेषित कर लेख है कि सभी शिक्षकों व विभागाध्यक्षों को इस विषय में निर्देश प्रदान करने की कृपा करें।
4- समस्त संकायाध्यक्ष, जरारासंविवि, जयपुर
5- समस्त विभागाध्यक्ष (साहित्य, व्याकरण, वेद, शिक्षा, ज्योतिष, दर्शन, योग-विज्ञान) जरारासंविवि, जयपुर
6- विश्वविद्यालय के पंजीकृत समस्त शोधनिर्देशक ।
7- प्रभारी विश्वविद्यालय को प्रति प्रेषित कर लेख है कि उक्त को विश्वविद्यालय की बैवसाईट पर प्रदर्शित करने का श्रम करें ।

03.2.202
निदेशक
अनुसंधान केन्द्र